हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 210 28 जुलाई 2025 सोमवार हाथरस पृष्ठ 8 मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

मन की बातः पीएम बोले– शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग उछल पड़े

हर भारतीय को गर्व है

शुभांशु शुक्ला और चंद्रयान मिशन के बाद देश में विज्ञान का माहौल बनाः पीएम मोदी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम– श्मन की बातश में देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इससे पहले प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि वे इस महीने के मन की बात कार्यक्रम में भारत के लोगों के प्रेरणादायक सामूहिक प्रयासों को रेखांकित करेंगे। पीएम मोदी ने और क्या बातें कहीं? जानिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश के 124वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, श्मन की बात में एक बार फिर बात होगी देश की सफलताओं की, देशवासियों की उपलब्धि की। पिछले कुछ समय में पूरा देश, खेल, विज्ञान और संस्कृति को लेकर बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। अभी हाल ही में शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी की बहुत चर्चा हुई। जैसे ही शुभांशु धरती पर उतरे तो पूरा देश खुशी और गर्व से भर गया।श् श्मुझे याद है कि जब चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग हुई तो देश में विज्ञान को लेकर अलग माहौल बना। अब छोटे–छोटे बच्चे अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि ले रहे हैं। आपने इंस्पायर मानक अभियान का नाम सुना होगा। यह बच्चों में इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है। इस अभियान में हर स्कूल से पांच बच्चे चुने जाते हैं। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। इससे अब तक लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं और चंद्रयान–3 मिशन के बाद इनकी संख्या दोगुनी हो गई है।श् प्रधानमंत्री मोदी बोले श्देश में स्पेस स्टार्ट–अप

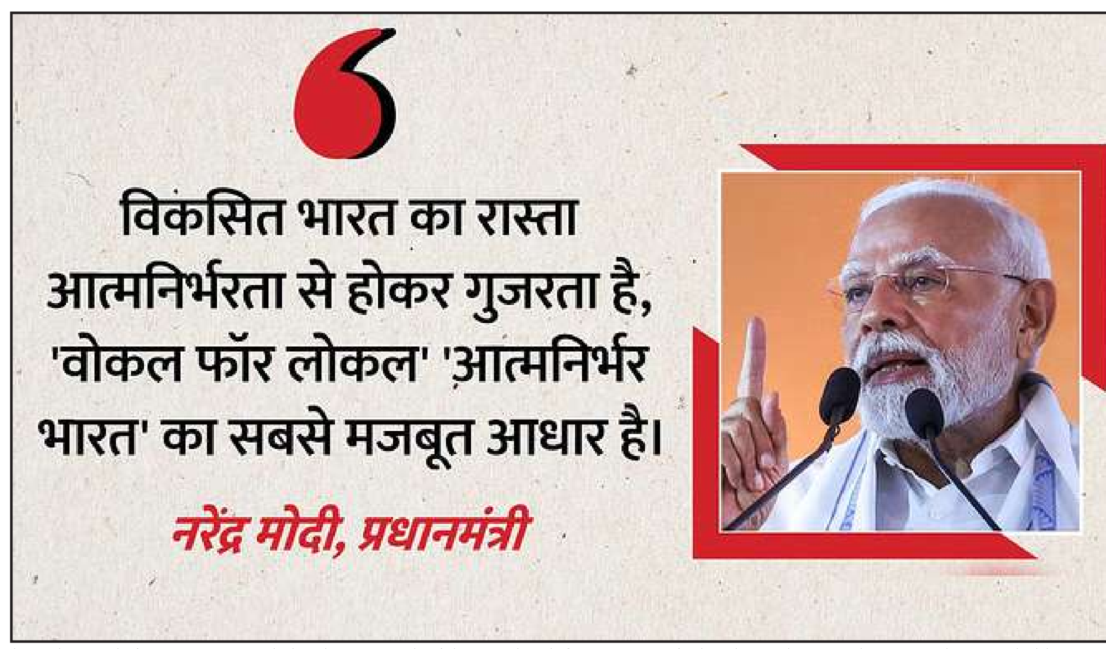

तेजी से बढ़ रहे हैं। पांच साल पहले देश में 50 से भी कम स्टार्टअप थे। आज सिर्फ स्पेस सेक्टर में ही ये 200 से ज्यादा हो गए हैं। अगले महीने 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे है। आप इसे कैसे मनाएंगे, कोई नया विचार है तो मुझे नमो एप पर जरूर भेजिए।श् प्रधानमंत्री ने कहा कि श्21वीं सदी में भारत में विज्ञान तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारत के देवेश पंकज, संदीप कुची, देबदत्त प्रियदर्शी और उज्जवल केसरी ने मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया।

सफाई कर्मचारी आयोग गठित होगा, अध्यक्ष–उपाध्यक्ष के अलावा पांच सदस्यः नीतीश

पटना,(एजेंसी)। बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के लिए बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का गठन किया जाएगा। इस बात की घोषणा नीतीश कुमार ने की है। इसके तहत उनके अधिकारों, हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों के पेंशन की घोषणा के बाद अब बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा करते हुए कहा है कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार राज्य में सफाई कर्मचारियों के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा, कल्याण, पुनर्वास, सामाजिक उत्थान, शिकायतों के निवारण तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए मैंने बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन का विभाग को निर्देश दिया है। आयोग का काम– अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देनासीएम नीतीश कुमार ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, यह आयोग सफाई कर्मियों के हितों से संबंधित सुझाव, उनके अधिकारों की सुरक्षा के संबंध में सरकार को सुझाव देगा तथा सफाई कार्यों में लगे लोगों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा कर उसे लागू करवाने हेतु समुचित कार्रवाई करेगा। सात सदस्यीय आयोग... एक महिला या ट्रांसजेंडर को भी जगह आयोग की संरचना के संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं पांच सदस्य होंगे, जिनमें एक महिलाध्ट्रांसजेंडर होंगे। यह आयोग राज्य में सफाई कार्यों से जुड़े समाज के वंचित वर्ग के लोगों को मुख्य धारा में जोड़ने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत

हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़, छह लोगों की मौत, 30 घायल, सीएम ने जताया दुख

देहरादून,(एजेंसी)। हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर मार्ग पर रविवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब अचानक किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी। इस घटना के बाद वहां मौजूद श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। उत्तराखंड के हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हुआ है। भगदड़ में छह लोगों की मौत की खबर है। कई लोगों के बुरी तरह से घायल होने की खबर भी है। मौके पर राहत एवं बचाव अभियान चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमें घायलों को तुरंत अस्पतालों में पहुंचाने में लग गई। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी, जिससे श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई। अफरा–तफरी में लोग एक–दूसरे पर गिर गए। चीख–पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत–बचाव कार्य

शुरू कर दिया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन हादसे के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भारी भीड़ जमा होने के बाद मची भगदड़ मच गई। भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल भी हुए हैं। भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि हादसे में घायल हुए कुल 35 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में लाया गया है, जिसमें भगदड़ में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि अन्य लोग घायल हैं। जिनमें से गंभीर अवस्था वाले मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। भगदड़ की घटना में घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार देने और उन्हें अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए 108 सेवा की सात एंबुलेंस और श्खुशियों की सवारीश की दो एंबुलेंस मौके पर तैनात की गईं। इन एंबुलेंस सेवाओं के माध्यम से कई घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जरूरी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। सीएम धामी ने जताया दुख हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। उन्होंने लिखा कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इस संबंध में निरंतर स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

ट्रांसफार्मर से चिपककर बच्चे की मौत

क्रिकेट खेलते समय गेंद चली गई, बॉल उठाते समय करंट लगा

लखनऊ। लखनऊ में 8 साल के बच्चे की बिजली के ट्रांसफॉर्मर में चिपकने से मौत हो गई। वह क्रिकेट की बॉल उठाने गया था। ट्रांसफॉर्मर का गेट खुला होने की वजह से उसकी चपेट में आ गया। यह देखकर वहां खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया। शोर सुनकर स्थानीय लोग जुट गए। लोगों ने कड़ी मशक्कत करके उसे ट्रांसफॉर्मर से अलग किया। उसका चाचा उसे गोद में उठाकर हॉस्पिटल के लिए भागे। पार्क के पास खड़े ऑटो से उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार को फूल बाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी में हुई। बच्चे की पहचान मो. फहद के रूप में हुई। लोगों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर पार्क में जमीन पर रखा है। उसका गेट काफी दिनों से खुला है। बिजली विभाग से गेट सही कराने की कई बार मांग की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अफसरों की लापरवाही से बच्चे की जान चली गई। विधायक रविदास मल्होत्रा पीड़ित परिवार से मिले।

बच्चे को लगा तेज झटका

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कॉलोनी के बच्चे रोज की तरह पार्क में खेल रहे थे। क्रिकेट का बॉल ट्रांसफॉर्मर के पास चला गया। गेट खुला होने के कारण बच्चा ट्रांसफॉर्मर के पास तक पहुंच गया। अचानक तेज झटके के साथ वह उसमें चिपक गया। घटना के बाद पार्क में अफरा–तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर बच्चे को ट्रांसफॉर्मर से अलग किया और तुरंत पास के हॉस्पिटल ले गए। स्थानीय निवासियों में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष है। अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वीडियो कॉल से दिखाया बेटे का चेहरा फहद के पिता सऊदी अरब में हैं। परिजनों ने फोन करके उन्हें घटना की जानकारी दी। वीडियो कॉल से उन्हें बेटे का चेहरा दिखाया। इस दौरान फहद के पिता और परिजन रोते–बिलखते रहे। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया है। स्थानीय पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने के लिए दबाव बना रही है। तीन भाइयों में फहद सबसे बड़ा था। उससे छोटे दो भाई फरहान और अजान हैं। फहद के पिता सऊदी अरब में रहते हैं। बेटे के जनाजे में न पाने को लेकर वो बहुत परेशान हैं। उनका रो–रोकर बुरा हाला है।

पुलिस विभाग में आज भी देखने को मिलती हैं रौबदार मूंछें

लखनऊ, (यूएनएस)। जहां आज के इस दौर में क्लीन सेव का प्रचलन हावी है,वहीं पुलिस कर्मियों में ज्यादातर मूंछों के शौकीन देखने को मिलते हैं जो आज भी पुरुषों में मूंछों की पुरानी प्रथा को संजोए हुए हैं। आइए आपको ऐसे ही मूंछों के शौकीन लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात हेड कांस्टेबल पंकज दीक्षित से मूंछों के बारे में बात किया तो उन्होंने बताया कि मूंछों के शौकीन हम इसलिए हैं कि मेरे दादा जी स्वः यदुनाथ प्रसाद दीक्षित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी बड़ी बड़ी मूंछें रखते थे जिस से देश की आजादी के समय अंग्रेज सरकार भी उनके जज्बे को लोहा मान चुकी थी, इसलिए हमें भी बचपन से ही मूंछों का शौक था। मूंछों पर ताव देना तो मेरे दादा जी ने सिखाया है...कि जीना है तो शान से, पर झुकना नहीं किसी की आन से और जैसे ही मेरी मूछें आई हम भी मूंछ रखने लगे और मूंछों का खास ख्याल भी रखता हूं,उन्होंने यह भी बताया कि यह तो प्राचीन काल से ही मूंछों का प्रचलन चला आ रहा है,पहले के राजा भी नुकीली मूंछें रखते थे जो कि उनके व्यक्तित्व को निखारता था। और उन्होंने बताया कि इसका अपना अलग ही एक शौक है इससे एक अलग प्रकार की पहचान होती है और मूंछों से एक प्रकार से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है,और ऐसे ही मेरे विभाग में बहुत से मेरे साथी लोग और बहुत से अधिकारी भी मूंछों को रखने के शौकीन है। मूंछ पे ताव आंखों में शोले, फिर भी अनुशासन में रहे तो समझ लो वो हैं पुलिस वाले। और साथ ही लखनऊ कमिश्नरेट में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड बी के पद पर तैनात प्रकाश सिंह के मूंछों का अलग ही जलवा है जो बताते हैं कि जब से मैं पुलिस विभाग में भर्ती हुआ तभी से हमें मूंछों का शौक चढ़ा क्योंकि मूंछें भारतीय संस्कृति में शक्ति, सम्मान और अधिकार का प्रतीक मानी जाती हैं.

लखनऊ यूपीएससी परीक्षा के दौरान सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर ने किया कर्तव्यों का निर्वहन

लखनऊ, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कसी। कल सायं से परीक्षार्थीयों का आना शुरू हुआ, जो देर रात्रि तक चलता रहा और आज प्रातः से परीक्षार्थी बड़ी संख्या में आना जारी रहा। परीक्षार्थीयों की सहायता हेतु नागरिक सुरक्षा नियंत्रकधजिलाधिकारी विशाख जी एवं चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा के आदेश पर नागरिक सुरक्षा का कैम्प का आयोजन चारबाग बस स्टैंड पर किया गया, इसी क्रम में रेलवे स्टेशन, आलमबाग, कैसरबाग, गोमतीनगर अवध बस डिपो सहित अन्य स्थानों पर परीक्षार्थीयों की हेल्प कैम्प लगाएं गए। सिविल डिफेंस के वॉलिंटियर रामगोपाल सिंह ने परीक्षार्थीयों की सहयोग के लिए एडमिट कार्ड को देखकर उनको परीक्षा केंद्र भेजने में मदद किया। जिससे कि परीक्षार्थी समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंच सकें। इसी क्रम में बड़ी संख्या में वार्डेनों ने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

मामूली कहासुनी में पति ने ईंट से कूचकर पत्नी को मार डाला, मौके से फरार, पुलिस तलाश में जुटी

लखनऊ। लखनऊ में मामूली कहासुनी में पति ने ईंट से कूचकर पत्नी को मार डाला। इसके बाद मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आरोपी की तलाश की जा रही है। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह 8रू30 बजे मामूली कहासुनी में पति ने ईंट से कूचकर पत्नी की हत्या कर दी। घटना माल थाना क्षेत्र के बाजार गांव की है।

गांव निवासी मजदूर रवि रावत ने पत्नी सीमा (25) की हत्या की है। सूचना पर एसीपी मलिहाबाद विनीत सिंह, इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद पुलिस टीम के साथ पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करके साक्ष्य जुटाए हैं। बताया गया कि आरोपी, पत्नी और ससुराल वालों के साथ चंडीगढ़ में रहकर मजदूरी करता है। कुछ दिन पहले रवि, पत्नी सीमा के साथ गांव आया था। रविवार सुबह काम की बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई। इस बीच आरोपी अपने आपे से बाहर हो गया। पास में पड़ी ईंट से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किए। सीमा लहूलुहान होकर वहीं गिर गई। इसके बाद आरोपी वहां से भाग निकला। शोर सुनकर पड़ोसी घर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और घायल को सीएचसी पहुंचाया। वहां हालत गंभीर होने पर उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। वहां उसकी मौत हो गई। एसीपी ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
छपाई
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन
द्वारा साफ सुन्दर
एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

सुरभि गोयल बनी तीज क्वीन, और इशिता सौरभ बने तीज कपल

भारत विकास परिषद की संस्कार शाखा ने हर्षउल्लास के साथ मनाया तीज महोत्सव ,आकर्षक परिधान में दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

(भव्य प्रभात)

हाथरस। भारत विकास, परिषद संस्कार शाखा, हाथरस का तीज महोत्सव कार्यक्रम बड़े ही उत्साह के साथ संपन्न हुआ जिसमें सदस्यों ने आकर्षक परिधान में अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण तीज क्वीन और तीज कपल रहा.. तीज क्विंन के फाइनल में 20 प्रतिभागियों में से ड्रॉ द्वारा श्रीमती सुरभि गोयल का चयन हुआ, जिनको ताज और पट्टीका पहना कर स्वागत किया गया. तीज कपल के लिए सौरभ कोठारी और इशिता कोठारी 11 प्रतिभागियों में से विजयी हुई, जिनको विशेष पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर श्री राकेश वार्ष्णेय और श्री अंकित वार्ष्णेय ने बहुत सुन्दर भक्ति संगीत प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में 12 जोड़ो ने अपनी कपल प्रस्तुति व

सामूहिक प्रस्तुति दी. इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल सचिव अंकुल जैन, सह सचिव सौरव गुप्ता व कोषाध्यक्ष राहुल शर्मा ने सभी का स्वागत किया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज अग्रवाल राया वालें एवं प्रांतीय संयुक्त सचिव श्री अनिल वार्ष्णेय तेल वालों ने किया. कार्यक्रम का सफल संचालन एवं निर्देशन श्रीमती सीमा वार्ष्णेय और मेघा राठी ने किया, कार्यक्रम में खुशबु जैन, वंदना गोटेवाल, सुरिभी गोयल, अक्षिता शर्मा, नीतू अग्रवाल, रेनू खंडेलवाल, रुपाली अग्रवाल, रश्मि वार्ष्णेय, अनुपम गुप्ता, शिवा, सोनम, संगीता कौशिक, रेनू अग्रवाल, प्रीति वार्ष्णेय,नेहा अग्रवाल,उषा जैन,रूचि अग्रवाल, अंजलि बंसल, बिनीता अग्रवाल , उषा गुप्ता ,कमलेश जेन,टीसा अग्रवाल,पूनम वार्ष्णेय,प्रतीक,डा मनोज शर्मा, हिना, मनोज हेज,आदि ने अपनी मंचीय प्रस्तुति दी।सभी सदस्यों ने 16 श्रृंगार, जेवर,लहंगा फरिया आदि पहनकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुत दी. सभी की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया इस अवसर पर सभी को तीज का गिफ्ट भी भेंट किया गया।

कार्यक्रम में गोपाल राठी, हरीश वार्ष्णेय, नितिन वार्ष्णेय, आंनद गोयल,जय प्रकाश, सतीश गोयल, विजय अग्रवाल, सुभाष खेमका, ऋषि बंसल, देवेंद्र वार्ष्णेय, उमा शंकर, दुर्गेश गुप्ता, ललित सिंघल, कपिल वार्ष्णेय पवन वर्मा, जितेंद्र बंसल आदि उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर लोकगीत, मल्हार गाान के साथ दी पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुत

श्री रामबाग इन्टर कालेज मे श्री हैहय वंशीय क्षत्रिय कांस्यकार समिति मातृ महिला ग्रुप ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

(भव्य प्रभात)

हाथरस। हरियाली तीज के अवसर पर अलीगढ रोड़ स्थित श्री रामबाग इन्टर कालेज मे रविवार को श्री हैहय वंशीय क्षत्रिय कांस्यकार समिति मातृ महिला ग्रुप द्वारा आयोजित हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया । कार्यक्रम मे महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर भाग लिया समूचा आयोजन स्थल को हरियाली व रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाकर एक परंपरा, संस्कृति और सावन झूला उत्सव के रंग मे रंगा रहा जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था।

हरियाली तीज उत्सव मे विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों मे महिलाओं ने हरियाली तीज से जुड़े लोकगीत, मल्हार कविताएं व पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर समा बांध दिया । कार्यक्रम मे विशेष आकर्षण एक सुसज्जित झूला रहा जिसे

गुब्बारो व फूलों से सजाया गया था महिलाओं मे उस झूले पर बैठकर मल्हार गीत गाते हुए उत्सव मे और चार चांद लगा दिया । वही मनोरंजन के लिए गेम्स का भी आयोजन किया गया । जिसमे महिलाओं ने बढ़चढ कर भाग लिया ।कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से राधा वर्मा, वीना वर्मा, सुनीता वर्मा, रमा वर्मा, सीमा वर्मा, सुमन वर्मा, सुनीता बागड़ी, वंदना वर्मा, मेघा वर्मा, सोनिया वर्मा,राहुल वर्मा, खुशबू वर्मा , श्वेता वर्मा , शैफाली वर्मा, पूजा वर्मा, रिन्की बागड़ी, सरोज वर्मा, मीनाक्षी वर्मा, रोशनी वर्मा व अर्चना वर्मा आदि मौजूद रही । कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती यशवाला शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे श्री

रामबाग इण्टर कालेज की प्रबन्ध समिति द्वारा सभी को स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई थी।

डीएम ने एसपी के साथ जनपद के विभिन्न आर.ओ. ,ए.आर.ओ. परीक्षा केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित आर.ओ.ध्ए. आर.ओ.–2023 परीक्षा की शुचितापूर्ण, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण सम्पन्नता सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने रामबाग इंटर कॉलेज, श्री अक्रूर इंटर कॉलेज, राजेन्द्र लोहिया विद्या मंदिर, सेठ फूलचंद बागला डिग्री कॉलेज तथा पी.बी.ए.एस. इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण करते हुए यह स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि के दौरान कोई भी कैमरा बंद न हो। तकनीकी समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल तकनीकी सहायता प्राप्त कर समस्या का त्वरित समाधान कराया जाए।

जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं गोपनीयता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। अभ्यर्थियों को शांत, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित वातावरण प्रदान करने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त अभ्यर्थियों के शत–प्रतिशत बायोमेट्रिक सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। परीक्षा के उपरांत समस्त परीक्षा सामग्री को नियत समय में संकलित कर निर्धारित स्थल पर सुरक्षित रूप से जमा किया जाए। साथ ही, परीक्षा अवधि की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को पेन ड्राइव में सुरक्षित कर यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने भी केंद्र व्यवस्थापकों से संवाद करते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की एवं परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पूर्ण सतर्कता एवं सजगता बरतने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर अपर जिलाधिकारी वि0 / रा0, संबंधित उप जिलाधिकारी, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, क्षेत्रा अधिकारी पुलिस, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक आदि अपस्थित रहे।

सांसद ने ग्राम जगीपुर के बूथ संख्या ८२ पर सुनी मोदी के मन की बात

(भव्य प्रभात)

हाथरस। प्रधानमंत्री के मन की बात का 124 वां एपिसोड लोकप्रिय कार्यक्रम को ग्राम जगीपुर के बूथ संख्या 82 में भाजपा पूर्व जिला मंत्री ठाकुर अनिल जादौन के आवास पर भाजपा सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि एवं पूर्व राजस्व मंत्री ने ग्रामीणों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। रविवार को प्रधानमंत्री द्वारा मनकी बात एपिसोड 124वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। जिसमें प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला और स्पेस के बारे में बात की। उन्होंने कहा– जैसे ही एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग उछल पड़े। हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गई। पूरा देश गर्व से भर गया। पीएम ने आगे कहा– इससे साइंस स्पेस को लेकर बच्चों में नई जिज्ञासा जागी है। अब छोटे–छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी स्पेस में जाएंगे। हम भी चांद पर उतरेंगे। स्पेस साइंटिस्ट बनेंगे।मुझे याद है जब अगस्त 2023 चंद्रयान की सफल लैंडिंग हुई थी।

पीएम मोदी ने बताया कि यूनेस्को ने 12 मराठा किलों वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स के रूप में शामिल किया है। 11 किले महाराष्ट्र

में और एक किला तमिलनाडु में है। हर किले से इतिहास का एक पन्ना जुड़ा है। साल्हेर का किला जहां मुगलों की हार हुई। शिवनेरी में छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ था। मन की बात कार्क्रम के बाद पर ठाकुर अनिल जादौन ने सांसद को पुष्पहार एवं पटका पहनाकर तस्वीर भेंट कर जोशीला सम्मान करते हुए स्वागत किया। इस दौरान ठाकुर संदीप सिंह जादौन, बसंत लाल दीक्षित, डा. वीरपाल सिंह बघेल, ठा नवीन प्रताप सिंह, भूरा ठाकुर, मंडल महामंत्री अनंत वीर सोलंकी, मंडल मंत्री अमित जादौन, अंकित बघेल, जितेंद्र सिंह, संजय सिंह, राम कुमार उपाध्याय, चंद्रपाल उपाध्याय, ठा. भानु प्रताप सिंह, अंकित जादौन, मूलचंद माहौर, मुकेश चंद्र, मनोज कुमार सिंह, भूरा शर्मा, केके ठाकुर आदि मौजूद थे।

बैसवारे की नायाब शख्सियत रहे श्रद्धेय गिरीश नारायण पांडे की स्मृति में अलंकरण समारोह संपन्न

15 कॉलेज के मेधावी बच्चों को गिरीश नारायण पांडे स्मृति सम्मान से किया गया पुरस्कृत

लालगंजरायबरेली। कारगिल शहीद के विशेष दिवस पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लालगंज में श्रद्धेय पूर्व मंत्री लोकतंत्र सेनानी गिरीश नारायण पांडे स्मृति अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 15 स्कूलों के बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाले बच्चों को लोकतंत्र सेनानी गिरीश नारायण पांडे स्मृति सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप जिला मजिस्ट्रेट मिथिलेश कुमार त्रिपाठी ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चे प्रोत्साहित होते हैं और खास तौर से समाज के सामने पुरस्कृत होने से दूसरे बच्चों में भी पढ़ने की ललक जागउठती है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि विद्या धन ही सबसे बड़ा धन है, विद्या से हमें विनय की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि राजा की पूजा तो देश तक सीमित है लेकिन विद्वानों की पूजा विदेश तक होती है ।उन्होंने पूर्व मंत्री को राष्ट्र निष्ठा के प्रति समर्पित, शिक्षाविद, ईमानदार पूर्ण राजनीतिक क्षेत्र का कुशल मनीषी बताया। विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी गगनदीप सिंह ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार

जताते हुए कहा कि निश्चित रूप से ऐसे कार्यक्रम बच्चों में उत्साह का जागरण करते हैं और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक गिरीश जी के पुत्र अनंत पांडे ने कहा कि पिताजी सदैव बच्चों के प्रति बहुत प्रेम रखते थे और अच्छे बच्चों को प्रोत्साहित किया करते थे। उनके विचारों से प्रेरित होकर अलंकरण कार्यक्रम का आयोजन कर मेधावी बच्चों को पुरस्कृ त किया गया है। कार्यक्रम में मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही विद्यालय के प्रधानाचार्यो को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का कुशल संचालन विद्या मंदिर के उप प्रधानाचार्य चंद्र प्रकाश पांडे के द्वारा किया गया। वही श्रद्धेय पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडे के जीवन वृत्त पर विशेष प्रकाश डालते हुए संघ कार्यकर्ता सुशील शुक्ला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम उनकी स्मृतियां सजोने में मील का पत्थर साबित होंगे। वही कार्यक्रम का संयोजन बहुत ही सराहनीय ढंग से प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार शुक्ला के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अन्य विद्वतलोगों को भी सम्मानित कियागया इस अवसर पर अनिन्द पांडे ,अजय पांडे, बैसवारा कॉलेज के प्रबंधक लाल देवेंद्र बहादुरसिंह, विद्या मंदिर के प्रबंधक सचिन रस्तोगी, कोषाध्यक्ष शिवकुमार त्रिवेदी, शिशु मंदिर प्रबंधक कैलाशवाजपेई, बालिका विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य ममता सिंह, सुरेश पाठक, शिवम गुप्ता, कौशलेंद्रकंचन, रामप्रताप सिंह राजेश सिंह फौजी, हरि नाम सिंह, डॉक्टर एमडी सिंह, रवि शंकर बाजपेई श्रीमती इंदु बाजपेई, हरिद्वार सिंह, रवि नंदन सिंह चौहान, शंकर दयाल बाजपेई, संजय मिश्रा, विद्याधर मिश्र, अनिरुद्ध त्रिपाठी ,नीरज, अमरेश, राजेंद्र पांडे ,आलोक बाजपेई आदि लोग मुख्य रूप से मौजूदरहे।

बारिश में गरीब का मकान ढहा

लालगंज, रायबरेली। आवास मिलने से पहले ही गरीब का मकान बारिश में ढह गया। नगर क्षेत्र के घोसियाना मोंहल्ले में रहने वाले राजेश कुमार सोनकर अपने परिवार के साथ दो कमरे के जर्जर मकान में निवास कर रहे थे। लगातार हो रही बारिश के चलते राजेश सोनकर का गृहस्थी वाला कमरा भरभरा कर गिर गया। गनीमत रही कि किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ जबकि कुछ क्षण पूर्व राजेश उसी कमरे में थे। कमरा गिरने से उनकी गृहस्थी का सामान चकनाचूर और मलबा में दब गया। राजेश कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 17 फरवरी 2025 को आनलाईन आवेदन किया था। सम्बन्धित विभाग द्वारा अभीतक कोई कार्यवाही नहीं की गयी है। राजेश के घर गिरने की सूचना सम्बन्धित लेखपाल व डूडा के कर्मचारियों को दे दी गयी है। पीड़ित राजेश सोनकर ने मदद की गुहार लगायी है। वही सभासद राघवेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि सरकारी योजनाओं के प्रति अधिकारियों की लापरवाही के चलते लोगों को समय से लाभ नहीं मिल पा रहा है।

अमेठी में मनाया गया संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस

अमेठी। संविधान की गरिमा, आरक्षण के महत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शनिवार को वृंदावन होटल, बाईपास, दुर्गापुर रोड बगल स्थित परिसर में संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र कुमार (गोहना, मऊ) का कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। जैसे ही विधायक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारों और तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। विधायक राजेन्द्र कुमार ने कहा कि बुद्धिजीवियों द्वारा उठाए गए सवाल बेहद गंभीर और महत्वपूर्ण हैं। उन्हीं विषयों पर चर्चा करने के लिए वे अमेठी आए हैं। उन्होंने कहा, ^आज पूरे प्रदेश में आरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। इसी आरक्षण ने कई क्लर्कों को कलेक्टर और बड़े अफसर बनाया है। जिस आरक्षण का आज विरोध हो रहा है, उसकी नींव राजतंत्र में ही छत्रपति शाहूजी महाराज जैसे महापुरुषों ने रखी थी।ß उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में ^इंडिया^ गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी, ताकि संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा की जा सके। राम उदित यादव जिला अध्यक्ष, ने कहा कि संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवित रखने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी शुरू से ही संविधान, आरक्षण और समानता के सिद्धांतों की पक्षधर रही है। जिन अधिकारों को छीना जा रहा है, उनके लिए हमें एकजुट होकर आवाज बुलंद करनी होगी। छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. अंबेडकर और अन्य महान विचारकों ने जो नींव रखी थी, उसे बचाने की जिम्मेदारी आज हम सबकी है। आने वाले समय में समाजवादी पार्टी और ^इंडिया^ गठबंधन मिलकर संविधान और आरक्षण विरोधी ताकतों को जवाब देगा। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेश मिश्र ने बताया कि यह आयोजन संविधान के मूल सिद्धांतों और आरक्षण व्यवस्था के समर्थन में जागरूकता फैलाने के लिए किया गया है कार्यक्रम में शिवप्रताप यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मजदूर सभा राम सिंह, महामंत्री अरशद अहमद, गुंजन सिंह, संग्राम सिंह, घनश्याम सिंह, दीपू तिवारी, संदीप यादव, राकेश यादव कौहार, वीरेंद्र यादव, सूबेदार यादव, मुकेश यादव, मनीराम वर्मा, विपिन यादव, संतोष शर्मा, राकेश यादव, सहित सभी ब्लॉक व विधानसभा अध्यक्ष मौजूद रहे।

जगेश्वर मंदिर धाम मे सोमवार को श्रद्धालुओ की भीड बढी

अमेठी। प्रसिद्ध प्राचीन पौराणिक जगेश्वर नाथ धाम मन्दिर मे श्रवण मास मे श्रद्धालुओ के शिवलिंग पर जलाभिषेक कार्यक्रम मे भागेदारी बढी है। सोमवार के दिन तो शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए लोगो की कतार लगती है। जिले के बिकास खण्ड भेटुआ की ग्राम पंचायत पिण्डोरिया और कड़ेरगाव के सरहद पर जगेश्वर धाम मन्दिर की स्थापना हुई है। महाशिवरात्रि पर विराट मेला लगता है। आसपास के लाखो लोग शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने परिवार के लिए मनौती मांगते है। एक दशक से जगेश्वर नाथ मंदिर धाम पर बाबा भोलेनाथ की कृपा से तत्कालीन कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष एव सांसद राहुल गाँधी ने 14 लाख की लागत से भक्तो के लिए ^रैन बसेरा ^ का निर्माण कार्य पूरा हुआ। सोलर लाइट भी धाम मन्दिर परिसर मे दूधिया रोशनी बिखेरी।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुद्ध वातावरण की अहम भूमिका: डॉ. जैन

बाड़मेर। थार नगरी, बाड़मेर को हरा–भरा बनाने को लेकर जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से रविवार को शान्ति–मोहन अस्पताल के सौजन्य से हमीरपुरा मोहल्ले में एक घर एक पौधा अभियान के माध्यम से डॉ. कपिल जैन एवं संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन के सानिध्य में डोर टू डोर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में अलग–अलग किस्म

पौधे लगाते हुए पौधे संरक्षण की जिम्मेदारी सम्बन्धित परिवार को दी गई। वहीं मोहल्लेवासियों का पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। संस्थान अध्यक्ष व पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश बोहरा अमन ने बताया कि जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से लगातार डोर टू डोर पौधारोपण कार्य किया जा रहा है। जिस कड़ी में रविवार को हमीरपुरा मोहल्ले में डॉ. कपिल जैन के मुख्य आतिथ्य में घर–घर पौधारोपण किया गया। जिस कड़ी में 20 घरों के आगे अलग–अलग किस्म के छायादार, फलदार व फूलों के पौधे रोपित किये गये। पौधारोपण कार्य में मोहल्लेवासियों ने बढ़–चढ़कर व उत्साह से भाग लिया। डॉ. कपिल जैन ने कहा कि पौधारोपण यह कार्य बहुत ही शानदार व प्रशंसनीय कार्य है। ऐसे में हम सबको मिलकर अपने–अपने घर, मोहल्ले आदि स्थानों पर अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। डॉ. जैन ने कहा कि व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य में शुद्ध वातावरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। शुद्ध वातावरण से व्यक्ति अनेक प्रकार की बीमारियों से दूर रहता है। पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. कपिल जैन, पर्यावरण कार्यकर्ता मुकेश अमन, गौरव बोहरा हिरो, चिराग बोहरा पूजा टेन्ट, भीमराम, रामाराम, विजय कुमार माली, अचलाराम, मोहनलाल, तेजाराम पटवारी, निखिल भार्गव, प्रकाश सोनी, जाकिर खान, भूरा खान सहित मोहल्ले के महिला–पुरुष व बच्चे उपस्थित रहे।

साफ सफाई और नालियो की सफाई न होने से लोगों को हो रही है मच्छर जनित बीमारियां

लालगंजरायबरेली। अब जबकि ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानी के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वोटर लिस्ट ठीक की जाने लगी है, लेकिन गांव के विकास की ओर ना तो ग्राम प्रधान का ध्यान जा रहा है और ना ही ग्राम पंचायत अधिकारी का। देखा जाए तो ऐहार गांव बाबा बाल्हेश्वर की नगरी के नाम से प्रसिद्ध है लेकिन गांव की नालियां कीचड़ और गंदगी से बजबजा रही हैं। गलियों में कूड़ो का अंबार लगा हुआ है। सबसे अधिक दुर्दशा डाकघर जाने वाले मार्ग की है।मंदिरों के आसपास सफाई का अभाव है। हिंदुओं के आस्था का केंद्र बिंदु बाबा बाल्हेश्वर मंदिर और ऐहार गांव के शीतला मंदिर के आसपास भी नियमित सफाई नहीं हो रही है। मेला परिसर में कीचड़ और पानी भरा हुआ है। मंदिर के प्रसिद्ध तालाब की भी बाउंड्री टूट गई है लेकिन ग्राम प्रधान बनवाने का नाम नहीं ले रही हैं।सफाई कर्मचारी महेज ग्राम प्रधान के यहां हाजिरी लगाकर मुफ्त की तनख्वाह ले रहे हैं। ऐहार गांव के लोगों ने बताया कि यहां

के चुने हुए जनप्रतिनिधियों और उनके सिपहसालारों की रुचि इमामबाड़ा बनवाने में है लेकिन बाल्हेश्वर मंदिर की टूटी हुई बाउंड्री बनवाने में नहीं है। बताते चलें कि अभी पिछले माह एक विशेष संप्रदाय के लोगों ने पीडब्ल्यूडी की जमीन पर इमामबाड़ा बनवाने का प्रयास किया था लेकिन गांव के लोगों के प्रयास से बन नहीं सका और खुद ही बनाने वालों को ही उसे ढहाना पड़ा।ऐहार गांव के समाजसेवी चंदन त्रिवेदी ,विकास तिवारी, आयुष पांडे शिवम बाजपेई ने बताया कि गांव में वर्तमान ग्राम प्रधान के कार्यकाल में ऐहार गांव के प्रति भेदभाव की नीति अपनाई गई है। सेक्रेटरी और सफाई कर्मियों के कभी दर्शन नहीं होते हैं। ऐहार गांव में विकास कार्य भी नहीं कराए गए हैं। वही जब बाबा बालेश्वर मंदिर के तालाब की टूटी बाउंड्री और साफ सफाई के बाबत खंड विकास अधिकारी अशोक सचान से बात की गई तो उन्होंने कहा कि टूटी बाउंड्री की उन्हें जानकारी नहीं है। सेक्रेटरी ने कोई जानकारी भी नहीं दी है।साफ सफाई के बाबत उन्होंने कहा कि टीम लगाकर साफ सफाई कराई जाएगी।

मंदिरों में बिखरी हरियाली छटा, भक्तों ने दर्शन कर ठाकुर जी को झुलाया झूला

कस्बा और क्षेत्र में मनाया गया हरियाली तीज का पर्व, गूंजते रहे जयकारे

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। कस्बा और क्षेत्र में रविवार को हरियाली तीज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने व्रत रखकर सजधज कर मांगलिक गीत गाते हुए देवालयों में देव दर्शन किए और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। नगर के बिजलीघर रोड स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर भारी संख्या में उमड़े भक्तों ने अलौकिक रूप में विभिन्न प्रकार के हरे फूल पत्तों से सजे बाबा खाटू श्याम, गिर्राज महाराज, लड्डू गोपाल, भोलेनाथ, हनुमान और संतोषी मैया की प्रतिमाओं के दर्शन किए और उन्हें मेवा, चूरमा, फल आदि का भोग

अर्पित किया।

श्री खाटू श्याम गोवर्धन धाम मंदिर में हरे रंग के फूल पत्तों से भव्य फूल बंगला सजाया गया। पूरे मंदिर में हरियाली छटा छाई रही। यहां भगवान को हरे रंग के वस्त्र पहनाए गए। यहां हिंडोले में ठाकुर जी को झूला झुलाया गया। यहां आईं महिला श्रद्धालु भी हरे रंग के वस्त्र पहनकर पहुंची। यहां महिलाओं ने बाबा के भजन गाए और बाबा के भजनों पर नृत्य भी किया। श्री गोवर्धनधाम खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट द्वारा पर्व को लेकर काफी अच्छे इंतजाम किए गए। मंदिर में शाम को हुई महाआरती में मंदिर के बाहर तक श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। जय श्री श्याम, जय गिर्राज महाराज, हर हर महादेव और जय हनुमान के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। इधर, नगर के काली मंदिर, श्री राम मंदिर, ठाकुर मुरलीमनोहर मंदिर, मां शीतलामाता मंदिर, पथवारी मंदिर, बाबा बैजनाथधाम मंदिर आदि पर भी श्रद्धालु देव दर्शन के लिए पहुंचे और विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना की। सभी मंदिर परिसर हरियाली छटा से जगमगाते रहे। भक्तों को प्रसादी का वितरण भी किया गया।

ऐसा माहौल तैयार करें, विद्यालय के बच्चों का हर क्षेत्र में नाम हो

सेठ भोलानाथ हरि शरण बंसल सरस्वती विद्या मंदिर बिसावर में आगरा संभागीय प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन

(भव्य प्रभात)

बिसावर। आगरा संभागीय प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन सेठ भोलानाथ हरि शरण बंसल सरस्वती विद्या मंदिर मालवीय नगर बिसावर में हुआ। बैठक में जन शिक्षा समिति विद्या भारती आगरा संभाग के प्रधानाचार्य बंधुओं ने भाग लिया।

सम्भाग निरीक्षक रमाकांत जी, जन षिक्षा परिशद के जिला मंत्री राजवीर सिंह एडवोकेट प्रांतीय समिति सदस्य व हाथरस प्रभारी अरविंद कुमार उदघाटन सत्र में मौजूद रहे। रमाकांत जी ने विद्यालय से संबंधित आचार्य आचार्या विवरण प्रतिमाह शुल्क व सामान्य जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा के

विद्यालय में शैक्षिक व्यवस्था में बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था, अच्छी शिक्षा और समय–समय पर सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहें। शिशु वाटिका के बारह बिन्दुओं को धीरे धीरे पूरा किया जाए। विद्या भारती के लक्ष्य के अनुरूप विद्यालयों की व्यवस्था प्रबंधन समिति एवं प्रधानाचार्य मिलकर करें। विद्यालय में ऐसी शिक्षा का माहौल तैयार करें, जिससे विद्यालय का हर क्षेत्र में नाम हो और बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़े। बैठक में आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, हाथरस जिले के जन शिक्षा समिति के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। बैठक में प्रबंधन समिति के सदस्यों में विजेंद्र सिंह, सेठ उमाचरण, देवेश शर्मा, सुनील गौतम, प्रमोद अग्रवाल, लाखन सिंह चौधरी, ज्ञान देव शर्मा, उमाशंकर आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

२१० विद्यार्थियों ने दी जागरूकता प्रतियोगी परीक्षा

शिक्षा प्रोत्साहन अभियान के तहत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के कार्य और सरकारी योजनाओं के प्रति जगाई जागरूकता

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। षिक्षा प्रोत्साहन अभियान के तहत गांव खेरिया स्थित रनवीर सिंह इंटर कॉलेज में रविवार को प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में ग्राम पंचायत खेरिया, रसगवां, सल्हेपुर–चंदवारा, चमरपुरा, कोंकना कला, कोंकना खुर्द, नगला बिहारी, दोहई, उधैना, और बावली के कक्षा 9 से कक्षा 12 वीं तक के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

युवा समाजसेवी और रालोद युवा नेता प्रवीन पौनियां की देखरेख में कराई गई इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्र छात्राओं से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह और युवाओं, महिलाओं, मजदूरों, कारीगरों, और किसानों से संबंधित सरकारी योजनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगी परीक्षा के लिये 248 छात्र–छात्राओं ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 210 छात्र–छात्राओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। प्रवीन पौनियां ने बताया कि प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को क्रमषः 2100, 1500 और 1100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जायेगा। 15 अन्य अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार के रूप में चौधरी चरण सिंह द्वारा लिखित पुस्तक षिश्टाचार, एक बैग, एक ज्योमेट्री बॉक्स, एक लंच बॉक्स और तीन नोटबुक प्रदान की जाएगी। पुरस्कार वितरण समारोह दो अगस्त को आयोजित किया जाएगा।

मौके पर विद्यालय प्रबंधक सर्वेष कुमार, ब्रजेष कुमार, देवेंद्र कुमार, एकता कुमारी, कुमारी षारदा ,विनोद कुमार ठैनुआ , मनोज कुमार, मनोज यादव आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सेक्टर और बूथ कमेटियों के गठन के कार्य में लाएं तेजी

सादाबाद। बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र सादाबाद के तत्वाधान में गांव नगला केसरी में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिलाध्यक्ष राजकपूर ने पार्टी के कार्यों की समीक्षा की। उन्होने सेक्टर, बूथ कमेटियों के गठन के कार्य में तेजी लाए जाने के संबंध में कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

विधानसभाध्यक्ष राजबहादुर सिंह की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्र सादाबाद प्रभारी प्रमोद कुमार आजाद के आवास पर हुई बैठक में मुख्य अतिथि बसपा जिला अध्यक्ष राजकूपर ने बाबा साहब के छविचित्र पर माल्यापर्ण किया। तदुपरांत सेक्टर, बूथ कमेटियों के गठन के कार्य की समीक्षा की और इस कार्य में तेजी लाए जाने के दिशा निर्देश दिए। कहा कि, कमेटी में हर वर्ग के लोगों को स्थान दिया जाए। उन्होंने कहा कि तीन अगस्त को कस्बा सादाबाद में बहुजन समाज पार्टी विधानसभा क्षेत्र सादाबाद के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें बूथ, सेक्टर, विधानसभा क्षेत्र के समस्त पदाधिकारियों द्वारा सहभागिता की जाएगी। सम्मेलन में सर्व समाज के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन को भव्य बनाने के लिए विधानसभा क्षेत्र को चार भागों में बांटा गया है, जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में बसपा कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंच सकें।

सर्वर डाउन ने बढ़ाई परेशानी, तीन दिन से भूखे पेट राषन लेने के लिए घंटो लाइन में लग रहे कार्ड धारक

सादाबाद। सादाबाद और सहपऊ क्षेत्र में राशन वितरण की व्यवस्था बुरी तरह से लड़खड़ा गई है। पिछले तीन दिन से सर्वर डाउन होने की समस्या के चलते राशन कार्ड धारक बगैर राशन सामग्री लिए लौटने को मजबूर हैं। रविवार को भी सर्वर डाउन की समस्या की वजह से कोटेदारों की दुकान पर राशन सामग्री का वितरण नहीं हो सका। इससे राशन सामग्री लेने पहुंचे कार्ड धारकों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

सादाबाद ब्लाक में 98 और सहपऊ ब्लाक में 57 कोटेदारों की दुकानों से लगभग 72 हजार राशन कार्ड धारकों को पॉश मशीन के जरिए राशन सामग्री का वितरण किया जाता है, लेकिन पिछले तीन दिन से पॉश मशीन में सर्वर डाउन की समस्या आ रही है, जिस वजह से कार्ड धारकों के फिंगर प्रिंट भी कोटेदार नहीं ले पा रहे। वहीं इस वजह से वितरण व्यवस्था भी फेल हो गई है। जुलाई माह का राशन 10 अगस्त तक बांटा जाना है, लेकिन सर्वर डाउन की समस्या की वजह से कार्ड धारकों को राशन सामग्री का वितरण नहीं हो पा रहा है। रविवार को नगर की एक राशन की दुकान पर कार्ड धारक राशन सामग्री वितरण व्यवस्था को कोसते हुए नजर आए। फिंगर प्रिंट न लग पाने की वजह से सुबह आठ बजे से लाइन में लगे काफी लोगों दोपहर दो बजे तक भी राशन सामग्री प्राप्त नहीं हो सकी। कुछ कार्ड धारकों की कोटेदारों से भी नोंकझोंक हो गई, लेकिन कोटेदार ने उन्हें समझाया कि यह समस्या पूरे जिले में बनी हुई है। जल्द ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

पिछले तीन दिन से सर्वर डाउन की समस्या उच्च स्तर से ही बनी हुई है। इस वजह से राशन वितरण में परेशानी आ रही है। जल्द ही समस्या का समाधान होगा और हर कार्ड धारक को राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा।

रोहित कुमार, पूर्ति निरीक्षक, सादाबाद।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

सादाबाद। आगरा रोड पर ईदगाह के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क पर घायल अवस्था में तड़प रहे युवक को जिपं सदस्य ईशान चौधरी ने अपनी गाड़ी से सीएचसी सादाबाद पर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। जानकारी के मुताबिक, रविवार की शाम को गांव घांघोली टप्पल अलीगढ निवासी राजू पुत्र विनोद बाइक से कहीं जा रहा था तो इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उसमें टक्कर मार दी, जिससे उसके पैर व सिर में चोट आई। सादाबाद सीएचसी से उसे आगरा के लिए रैफर किया गया है।

गोदाम से चोरी के मामले में दी तहरीर

सादाबाद। नयागंज छिपैटी हाथरस निवासी रेनू गुप्ता ने सादाबाद कोतवाली में तहरीर दी। तहरीर में रेनू ने बताया कि जब वह 25 जुलाई को अपने सादाबाद हाथरस रोड स्थित उसके गोदाम पर पहुंची तो देखा कि वहां से दीवार तोड़कर एक बाइक, दो साइकिल, दो अलमारी, पांच कुर्सी, एक मेज, ड्रम व टैंक सहित अन्य सामान चोरी कर लिया।

मेड काटने पर विवाद, मारपीट

सादाबाद। गांव बुर्ज धानौटी निवासी अजीत कुमार पुत्र जगदीश ने सादाबाद कोतवाली में रविवार को पप्पू, विपिन, गौरव और मुन्ना निवासी गांव बुर्ज धानौटी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि 27 जुलाई को सुबह करीब सवा सात बजे वह अपने खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने गए, तभी नामजदों ने उसकी मैड काट ली। इसी बात पर कहासुनी होने पर लाठी डंडों से मारपीट की। उसके पुत्र व पुत्री ने बचाव किया तो उनसे भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। बच्चों के चोट आई है।

एशिया कप टी20 को लेकर बड़ा अपडेट

नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली। यह एशिया कप 17वां सत्र होगा। यह टूर्नामेंट पहले सिर्फ वनडे प्रारूप में खेला जाता था, लेकिन अब अगले साल होने वाले विश्व कप के प्रारूप को देखकर इस टूर्नामेंट का प्रारूप तय किया जाता है। पुरुषों का एशिया कप टी20 टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक यूएई में आयोजित किया जाएगा। इसकी पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने की है। 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में आयोजन स्थल का फैसला किया गया। बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया। भारत ने ढाका में हुई एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में वर्चुअली हिस्सा लिया था। बैठक को भी लेकर काफी बवाल हुआ था। एसीसी के अध्यक्ष बनने के बाद नकवी मनमानी पर उतर आए थे और भारत पर बांग्लादेश के ढाका में मीटिंग में किसी को भेजने का दबाव बना रहे थे। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी अधिकारी को ढाका नहीं भेजेगा। इसके बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आई। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है, लेकिन इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में हो रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही प्रतिस्पर्धा करने पर सहमति जताई है। प्रसारकों के साथ एसीसी के समझौते के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं और सुपर फोर चरण में एक–दूसरे के खिलाफ एक और मौका मिल सकता है। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो तीसरी बार भी मैच होने की संभावना है। जारी हुआ शेड्यूल एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हो गया है। इसी के साथ फैंस के भारत–पाकिस्तान मैच को देखने का इंतजार भी खत्म हो जाएगा। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि दोनों टीमें एक से ज्यादा बार भिड़ सकती हैं। यह एशिया कप 17वां सत्र होगा। यह टूर्नामेंट पहले सिर्फ वनडे प्रारूप में खेला जाता था, लेकिन अब अगले साल होने वाले विश्व कप के प्रारूप को देखकर इस टूर्नामेंट का प्रारूप तय किया जाता है। अगला साल भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 विश्व कप होना है। एशिया कप 2025 के ग्रुप स्टेज का पूरा कार्यक्रम तारीख मैच 9 सितंबर अफगानिस्तान अे हांगकांग 10 सितंबर भारत अे यूएई 11 सितंबर बांग्लादेश अे हांगकांग 12 सितंबर पाकिस्तान अे ओमान 13 सितंबर बांग्लादेश अे श्रीलंका 14 सितंबर भारत अे पाकिस्तान 15 सितंबर यूएई अे ओमान 15 सितंबर श्रीलंका अे हांगकांग 16 सितंबर बांग्लादेश अे अफगानिस्तान 17 सितंबर पाकिस्तान अे यूएई 18 सितंबर श्रीलंका अे अफगानिस्तान 19 सितंबर भारत अे ओमान एशिया कप 2025 के सुपर फोर स्टेज का कार्यक्रम तारीख मैच 20 सितंबर बी1 अे बी2 21 सितंबर ए1 अे ए2 23 सितंबर ए2अे बी1 24 सितंबर ए1अे बी2 25 सितंबर ए2 अे बी2 26 सितंबर ए1 अे बी1 28 सितंबर फाइनल पिछले 16 संस्करण में तीन टीमें ही चौंपियन बनीं एशिया कप का आयोजन पहली बार 1984 में हुआ था।

टीम इंडिया कब-कब एशिया कप जीती

साल	मेजबान	विजेता	उप-विजेता	प्रारूप
1984	यूएई	भारत	श्रीलंका	वनडे
1988	बांग्लादेश	भारत	श्रीलंका	वनडे
1990-91	भारत	भारत	श्रीलंका	वनडे
1995	यूएई	भारत	श्रीलंका	वनडे
2010	श्रीलंका	भारत	श्रीलंका	वनडे
2016	बांग्लादेश	भारत	बांग्लादेश	टी-20
2018	यूएई	भारत	बांग्लादेश	वनडे
2023	पाकिस्तान/श्रीलंका	भारत	श्रीलंका	वनडे

पांचवें दिन ऋषभ पंत करेंगे बल्लेबाजी? कोच ने दिया बड़ा अपडेट

भारतीय क्रिकेट टीम मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में बैकफुट पर नजर आ रही है। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने मजबूत साझेदारी कर भारत को संभाला और इंग्लैंड के खिलाफ डटकर सामने किया है। पांचवें दिन रविवार को हालात मुश्किल होंगे और ऐसे में टीम इंडिया को उपकप्तान ऋषभ पंत की बेहद जरूरत है। लेकिन सवाल ये है कि, क्या पंत पाचवें दिन बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे? बता दें कि, पंत को मैच से पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पैर में चोट लगी थी। क्रिस वोक्स की गेंद सीधा उनके पार पर लगी थी और इसके बाद वह बाहर चले गए थे। पंत का स्कैन भी हुआ था। वह दोबारा बैटिंग करने आए थे, लेकिन सहज नहीं थे। उन्होंने विकेटकीपिंग भी नहीं की थी। उनकी जगह ध्रुव जुरैल ने विकेटकीपिंग का जिम्मा उठाया था। वहीं ऋषभ पंत को लेकर बैटिंग कोच सितांशू कोटक ने अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि, पंत पांचवें दिन बल्लेबाज करने आएंगे या नहीं। कोट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत को लेकर कहा कि, मुझे लगता है कि, वह कल बल्लेबाजी करने आएंगे। पंत बैटिंग करते हुए कितने सहज होंगे ये देखना होगा। सही मायनों में भारत को पंत की बेहद जरूरत है। उस पंत की जो विकेट पर टिकने के साथ–साथ आक्रामक बैटिंग से सामने वाली टीम की टेंशन को दोगुना कर देते हैं।

मैच के ऐलान पर भारत के पूर्व कप्तान का फूटा गुस्सा, जानें क्या कहा?

इस साल सितंबर में यूएई की मेजबानी के अंदर एशिया कप 2025 का आयोजन होगा। ये टूर्नामेंट 9 से 28 तारीख के बीच खेला जाएगा। इसी के साथ ये भी तय हो गया है कि भारत और पाकिस्तान की टीमें इस टूर्नामेंट में एक–दूसरे के खिलाफ मुकाबला खेलेंगी। दोनों को एक ही ग्रुप में रखा गया है। जैसे ही इस बात का ऐलान हुआ हंगामा खड़ा हो गया। भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी इसके खिलाफ आवाज उठाई है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को हर मोर्चे पर घेरने की बात कही जा रही थी। सरकार ने साफ कर दिया था कि पाकिस्तान के साथ अब एक साथ बैठा नहीं जा सकता चाहे मंच कोई भी हो। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी इवेंट्स और एशिया कप में भी न खेलने की बातें पूरे जोर–शोर से हुई थी। लेकिन शेड्यूल सामने आने के बाद सब कुछ बदल गया। ऐसे में जब एशिया कप का शेड्यूल सामने आया और उसमें 14 सितंबर को भारत–पाकिस्तान का मैच तय हुआ तो पूरे देश में सवाल खड़े होने लगे कि ये नहीं होना चाहिए। इस दौरान पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन ने कहा कि, मैंने हमेशा कहा है कि या तो सब कुछ होना चाहिए या कुछ भी नहीं होना चाहिए। अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेल रहे हैं तो फिर आपको इंटरनेशनल इवेंट्स भी नहीं खेलने चाहिए। ये मेरा मानना है। लेकिन जो भी सरकार और बोर्ड फैसला करेगा वही होगा। अजहर ने भी वर्ल्ड चौंपियंस ऑफ लीजेंड्स लीग में भारतीय खिलाड़ियों के कदम को अपना समर्थन दिया। ये लीग क्रिकेट की दुनिया को अलविदा कह चुके खिलाड़ियों की लीग है जिसमें इंडिया चौंपियंस का प्रतिनिधित्व युवराज सिंह, हरभजन सिंह, इरफान पठान, युसूफ पठान, सुरेश रैना कर रहे हैं। इन सभी ने पाकिस्तान चौंपियंस के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया था। अजहर ने कहा कि, वेटरन लीग आधिकारिक नहीं है। इसे आईसीसी या बीसीसीआई से मंजूरी नहीं मिली है। ये प्राइवेटली कराई जाती है लेकिन एशिया कप का आयोजन एसीसी करता है।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई मेंय भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 और 21 सितंबर को

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि पुरुषों का एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा। पीटीआई को मिले शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित ग्रुप चरण मैच रविवार (14 सितंबर) को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने में कोई बाधा नहीं: एमपीसी सदस्य

भारतीय अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है और चालू वित्त वर्ष (2025–26) में इसे 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल करने में किसी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने रविवार को यह बात कही। कुमार ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में कहा कि दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति बेहतर बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, एक–तिहाई से ज्यादा वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं ऋण संकट से जूझ रही हैं... औद्योगिकीकृत अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव, ऊंची मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि में सुस्ती का सामना कर रही हैं।'' कुमार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निर्यात या व्यापार से अधिक घरेलू खपत और घरेलू निवेश पर टिकी है। इस वजह से आज भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे चालू वित्त वर्ष और अगले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की राह में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही है।'' उन्होंने कहा, ''और, आप जानते हैं, उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी इस तरह की वृद्धि जारी रहेगी, और एक समय यह सात से 7.5 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी।'' पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भी देश की अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर एक सवाल पर कुमार ने कहा कि वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति लगभग दो प्रतिशत है और यह काफी हद तक एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) या आरबीआई द्वारा अपनाई गई नीति का परिणाम है। और अब यह लक्ष्य के दायरे में आ गई है। यह पूछे जाने पर कि क्या आरबीआई के लिए आगे दरों में कटौती की गुंजाइश है, उन्होंने कहा, ''यह केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ही नहीं, बल्कि सभी विभिन्न वृहद आंकड़ों पर निर्भर करेगा।'' अगर मुद्रास्फीति किसी महीने में दो प्रतिशत तक नीचे आ जाती है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह इसी स्तर पर रहेगी।'' केंद्रीय बैंक ने इस साल प्रमुख नीतिगत दर रेपो में एक प्रतिशत की कटौती की है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि जून में मुख्य मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले घटकर 2.1 प्रतिशत रह गई है। आरबीआई की छह सदस्यीय मौद्रिक समिति अगस्त में अपनी अगली द्विमासिक नीति की घोषणा करने वाली है। कुमार ने कहा, ''इसलिए, एमपीसी न केवल मुद्रास्फीति के आंकड़ों, बल्कि अन्य सभी वृहद मापदंडों के रुझान पर भी गौर करेगी।

स्टोक्स सोबर्स-कैलिस की सूची में शामिल

बतौर कप्तान एक मैच में शतक और फाइफर लेने वाले पहले अंग्रेज

मैनचेस्टर। बतौर खिलाड़ी एक ही टेस्ट में शतक और फाइफर की उपलब्धि हासिल करने वाले वह इंग्लैंड के चौथे क्रिकेटर बने। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए और भारत पर 311 रन की बढ़त हासिल की। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए मैनचेस्टर टेस्ट अब तक शानदार रहा है। उन्होंने मैच के चौथे दिन शतक लगाकर कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। पारी के 146वें ओवर में स्टोक्स ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट करियर का 14वां शतक पूरा किया। जो रूट के बाद इस टेस्ट में वह शतक लगाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी रहे। स्टोक्स ने 164 गेंद में शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर भी जाना पड़ा। वोक्स के आउट होने पर वह मैदान पर आए और बेहतरीन शतक पूरा किया। इससे पहले भारत की पहली पारी के दौरान उन्होंने पांच विकेट भी लिए थे। स्टोक्स महान सर गैरी सोबर्स और जैक कैलिस की सूची में शामिल हो गए। वहीं, बतौर कप्तान उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो आज तक कोई और अंग्रेज खिलाड़ी नहीं कर पाया था। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669। भारत की पहली पारी 358 रन पर समाप्त हुई थी। ऐसे में इंग्लैंड को 311 रन की बढ़त मिली। स्टोक्स ने 198 गेंद में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 141 रन की पारी खेली।

भव्य प्रभात

एको रूद्र द्वितीयो नास्ति

सोम चन्द्रमा के पर्याय हैं। वे विराट ब्रह्माण्ड का मन हैं। जैसे चन्द्र कलाएं घटती बढ़ती हैं, वैसी ही हमारे मन की चंचलता है। सोम संसारी देवता हैं। ओम सूक्ष्मतम विराट का एकात्म नाद। परम ध्वनि। अस्तित्व सूक्ष्मतम से भी सूक्ष्म है और विराट से भी विराट। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं होती हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर–फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम् की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम् साथ–साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव का सोम चन्द्र प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं। ऋग्वेद में रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। नट–राज। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है।" शिव महाकाल हैं। त्रिशूल उनका हथियार। तीन शूल दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट हैं। भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुखहारी हैं–त्रिशूल धारक जो हैं। सोंचने से मन नहीं भरता। मैं तनाव की स्थिति में यजुर्वेद के शिव संकल्प सूक्त दोहराता हूं–"हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो–तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।" मंच, माला, माइक का त्रिशूल मेरे भीतर है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था र्त्यम्बक रूद्र को–हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां औषधियां उगती हैं खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया। हर–हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास। सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी में सत्य परम है। सत्य शिव है। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। आस्तिकों के लिए यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप–कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं–विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती–तवस्मि दासः।" मन करता है कि पूंछू शिव से–महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं। भारतीय साहित्य शिव–पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद् चन्द्र की पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत् कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। शिव अजन्मा हैं। उनका न जन्म हुआ और न ही मृत्यु। वे अजर अमर भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत् को व्याप्त किया है।" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। देवों के देव महादेव नमस्कारों के योग्य हैं। पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांयी आंख में ही काजल लगाया था, वह बाई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत् के माता पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।" हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। बहुदेव उपासना हमारी प्रकृति है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं।

झंझावातों की उलझन में मासूम किशोर मन

संदीप जोशी

दुनिया में भारत की गिनती एक युवा देश के रूप में होती है। भारत उन देशों में शुमार है जिसमें किशोरों की आबादी सर्वाधिक है। लेकिन देश का किशोर संक्रमण कालीन समाज की तमाम मानसिक चुनौतियों से जूझ रहा है। किशोरावस्था तेरह से उन्नीस साल के बीच मानी जाती है। यह समय एक युवा के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव का होता है। इस संवेदनशील समय में उसमें शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक बदलावों के साथ तमाम मनोवैज्ञानिक परिवर्तन होते हैं। उसके सामने अलग पहचान गढ़ने, जीवन मूल्यों के अंगीकार और भविष्य की नींव तैयार करने की चुनौती होती है। यह भविष्य का नागरिक तैयार करने का भी वक्त होता है। इस संवेदनशील समय में यदि उसे सही गाइडेंस, भावनात्मक संबल, रचनात्मक सहयोग व भविष्य के लिये आश्वस्ति मिले तो वह निखर जाता है। अन्यथा वह आत्मघात, हिंसा, अपराध व भटकाव की अंधी गलियों की तरफ बढ़ सकता है। हाल के दिनों में किशोरों में बढ़ती आत्मघात की प्रवृत्ति, हिंसा, अपराधों की ओर झुकाव व नशे के दलदल में उतरने के कारकों को इसी नजरिये से देख सकते हैं। माना जाता है कि भारत में किशोरों की आबादी बीस प्रतिशत है। भारत का सौभाग्य है कि तमाम विकसित देशों के मुकाबले हमारे पास बड़ी युवा शक्ति है। लेकिन हम उनकी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उनकी मानसिक व स्वास्थ्य समस्याओं को संबोधित नहीं कर पा रहे हैं। इस अवस्था में किशोरों में तमाम शारीरिक परिवर्तन होते हैं। किशोर पुरुषत्व की ओर, तो किशोरियां स्त्रीत्व की ओर उन्मुख होती हैं। लेकिन इन बड़े बदलावों के प्रभावों को समझाने को हम संवेदनशील नहीं होते। जहां परिवार से संवाद नहीं हो पाता, वहीं बाहर विश्वसनीय माध्यम उन्हें नजर नहीं आता। तभी किशोर स्वास्थ्य व मनोविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञ 'आई सपोर्ट माई फ्रेंड्स' जैसे रचनात्मक अभियान की जरूरत बताते हैं। संचार क्रांति और तकनीकी प्रगति से हासिल ज्ञान मौजूदा समय में एक भ्रमजाल भी गढ़ रहा है। ऑनलाइन कार्यक्रमों का मायाजाल किशोरों में भटकाव की वजह बना है। यौन इच्छाओं के विस्फोट को बढ़ावा देने वाले सोशल मीडिया के कुछ प्लेटफॉर्म तथा इंटरनेट पर सहज पहुंच ने किशोरों के भटकाव को बढ़ाया है। वयस्कों से जुड़ी सामग्री तक किशोरों की सरल पहुंच ने स्थिति को गंभीर बनाया है। बड़ी संख्या में किशोर साइबरबुलिंग का भी शिकार होकर आत्मविश्वास खोते नजर आते हैं। यौन शिक्षा के अभाव में इससे जुड़े अपराधों में वृद्धि तथा कम उम्र का मातृत्व इस संकट का दूसरा पहलू है। जिससे किशोरियों को रक्ताल्पता जैसी समस्याओं से भी दो–चार होना पड़ता है। वहीं तमाम अन्य कारक हैं जो किशोरों को आत्मघात की ओर उन्मुख कर रहे हैं। उनकी जल्दीबाजी और तेजी सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आती है। वहीं नशे की तरफ बढ़ते कदम भी किशोरों के जीवन में उथल–पुथल व पारिवारिक अशांति को दर्शाते हैं। ऐसे में पर्याप्त काउंसलिंग न होना तथा मानसिक स्वास्थ्य का समय रहते इलाज न होना समाज के लिये घातक साबित हो सकता है। एक मुख्य कारण किशोरों की समस्याओं की तरफ समाज में जागरूकता का अभाव भी है। हाल के वर्षों में संक्रमणकालीन दौर में पीढ़ियों का अंतराल तेजी से बढ़ा है। जो पुरानी पीढ़ी व नई पीढ़ी के बीच टकराव का सबब भी बना। ऐसे में संस्कारों की पहली इकाई परिवार और स्कूलों में शिक्षकों को किशोरों की समस्याओं के प्रति गंभीर पहल करनी चाहिए। निस्संदेह, घर की परिस्थितियां किशोरों का व्यक्तित्व गढ़ने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। किशोर–किशोरियों के सशक्तीकरण में परिवार व शिक्षक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। समाज व परिवार इस दिशा में सार्थक पहल करके किशोरों के व्यक्तित्व में संतुलन स्थापित कर सकते हैं। निश्चय ही इससे हम देश को बेहतर नागरिक देकर स्वस्थ समाज की आधारशिला रख सकते हैं।आज किशोर जिस तेजी से हिंसा व अपराध की अंधी गलियों में उतर रहे हैं, उसके मूल में इस संक्रमणकालीन दौर में इस उम्र के बच्चों का भटकाव भी है। जिसमें पारिवारिक संरचना की विसंगतियां भी निहित हैं। संयुक्त परिवारों का बिखरना और एकल परिवारों में आर्थिक दबावों के चलते मां–बाप का कामकाजी होना बच्चों के जीवन में रिक्तता पैदा करता है। जटिल सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियां स्थिति को विकट बनाती हैं। असुरक्षाबोध किशोर मन पर गहरा असर डालता है। सामाजिक ताने–बाने में बिखराव व नैतिक मूल्यों का पराभव संकट को गहरा कर देते हैं। संवाद के अभाव में किशोरमन की उलझनों का समाधान नहीं मिलता। यह संकट उन परिवारों में ज्यादा गंभीर हो जाता है जहां माता–पिता के संबंधों में टकराव है। माता–पिता की लड़ाई किशोरों के कोमल मन में गहरी नकारात्मकता भर देती है। भविष्य के प्रति यह असुरक्षा बोध किशोरों को आक्रामक बना देता है। जो कालांतर हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। हम यह विचार करें कि किशोरों को संरक्षण देने वाली पारिवारिक संस्था किस सीमा तक किशोरों का व्यक्तित्व गढ़ने में सहायक है। उसकी रचनाशीलता को बढ़ाने और व्यक्तित्व विकास में परिवार कैसी भूमिका निभा रहा है। क्या माता–पिता किशोरों के सर्वांगीण विकास में सहायक गुणात्मक समय दे पा रहे हैं? जिससे वे नकारात्मकता से दूर रह सकें। निश्चय ही किशोरावस्था किसी भी किशोर के जीवन में बेहद संवेदनशील समय होता है। इस दौर में जैसी इबारत कोरी स्लेट पर लिख दी जाती है, वह उसके व्यक्तित्व का निर्धारण कर देती है। यही उसके शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक संवेगों को संबल देता है। दरअसल, हमारे शैक्षिक परिदृश्य में परीक्षाओं का दबाव व उच्च अंक लाने की होड़ भी किशोरों के व्यक्तित्व के गंभीर संकट के मूल में है। हर किशोर अपने आप में अलग व्यक्तित्व होता है, लेकिन हम उसके व्यक्तित्व का निर्धारण परीक्षाओं में लाए अंकों से करने लगते हैं।

यदि हम किशोर के मौलिक गुणों का मूल्यांकन करके उसके कैरियर की दिशा निर्धारित करें तो वह अपना बेहतर रिजल्ट दे सकता है। लेकिन हम सबको एक ही तराजू में तोलने का प्रयास करते हैं। जिससे वह जीवन पर्यंत एक द्वंद्व से जूझता रहता है। उसके सामने व्यक्तित्व गढ़ने व भविष्य की दिशा निर्धारण की चुनौती होती है। इसमें असफलता मिलने पर उसे लगता है कि उसका जीवन निरर्थक हो चला है। यही वजह है कि बड़े कोचिंग संस्थानों व उच्च शिक्षा संस्थानों में किशोरों की आत्महत्या की खबरें आती हैं। दरअसल, हर किशोर अपने आप में अलग प्रतिभा होता है, उसे एक तराजू में तोलना नादानी ही है। वक्त की विडंबना यह भी है कि समाज में यह धारणा बलवती होने लगी है कि किशोर के इंजीनियर–डॉक्टर न बन पाने पर उसका जीवन सारहीन हो जाता है। हकीकत यह है कि मानविकीय संकाय के छात्र भी अपने जीवन में उच्च लक्ष्य हासिल करते हैं। वास्तव में शिक्षा व कौशल विकास के तमाम क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां सफलता के नये मानक संभव हैं। दरअसल, बदलते वक्त के साथ किशोर मन को पढ़ने की जरूरत है। अभिभावकों को उनके साथ खुले संवाद और मित्रवत व्यवहार से मन की गांठ को खोलना चाहिए। सहज व्यवहार उन्हें सार्थक बातचीत के लिये प्रोत्साहित करेगा। हमें उनकी मानसिक समस्याओं को समय रहते पहचानते हुए कारगर उपचार की व्यवस्था भी करनी होगी। अभी वह सोच विकसित नहीं हो पायी है कि जो किशोर के मनोवैज्ञानक पक्ष को संवेदनशील ढंग से महसूस कर सके। किशोरों की शारीरिक सक्रियता और खेलों में सक्रिय भागीदारी जहां शारीरिक स्वस्थ्य को बढ़ावा देगी, वहीं जीवन में जीत–हार से ऊपर उठने को भी प्रेरित करेगी। उनके साथ भविष्य की तमाम चुनौतियों व शारीरिक बदलाव को लेकर चर्चा की जरूरत होती है। जिससे किशोर किसी मानसिक तनाव से मुक्त हो सकें। तेजी से बदलते समाज में किशोरों के मनोभावों को समझने और समय की जरूरत के हिसाब से मार्गदर्शन की जरूरत होती है। वास्तव में किशोरों की समस्याओं और जीवन की चुनौतियों को जितनी सहजता से उसके साथी समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। एक हमउम्र साथी की सलाह उसे आसानी से समझ आ सकती है। वह उनसे बेझिझक बात कर सकता और मन की गांठ खोलकर तनाव–मुक्त हो सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हेल्प लाइन इस दिशा में कारगर सिद्ध हो सकती है। एक अच्छा दोस्त बेहतर मार्गदर्शक साबित हो सकता है। जरूरत किशोरों की चुप्पी तोड़ने की है। बेहतर व रचनात्मक संवाद इसमें खासा मददगार साबित हो सकता है। योग–प्राणायाम किशोरों को बेहतर मानसिक स्वास्थ्य देने में सहायक हो सकता है। जिसमें अभिभावक–शिक्षक अच्छी भूमिका निभा सकते हैं। दरअसल, हमें तेजी से बदलते समाज में किशोरों को समायोजित करने के लिये मनोवैज्ञानिक पक्ष का भी गहरे तक अवलोकन करना होगा। तभी स्वस्थ तन–मन वाले किशोर भविष्य के भारत की मजबूत आधारशिला रख सकते हैं। किशोरों की सेहत हेतु जरूरी है कि स्कूल और सामुदायिक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटल सॉल्यूशन मसलन स्क्रीनिंग, स्व–मूल्यांकन व सहायता देने वाले मनहित ऐप जैसे समाधान अपनाए जाएं। इस काम में टोल–फ्री टेली–मानस हेल्पलाइन भी सार्थक विकल्प है। उल्लेखनीय है।

मेथी दाना एक देसी स्किनकेयर हीरो है जिसमें स्किन को हल्का करने और हील करने की गजब की ताकत होती है। इसकी मदद से ना सिर्फ पिग्मेंटेशन धीरे–धीरे कम होती है, बल्कि यह स्किन टोन को इवन लुक देने के साथ–साथ ग्लो भी लेकर आता है।

आज के समय में हम सभी कई तरह की स्किन समस्याओं से जूझना पड़ता है। इन्हीं में से एक है पिग्मेंटेशन। पिग्मेंटेशन के चलते स्किन की नेचुरल ब्यूटी कहीं छिप जाती है और इससे निपटने के लिए हम सभी तरह–तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करना शुरू कर देते हैं।

जबकि आपकी इस समस्या का हल किचन में रखे एक सिंपल से मसाले में छिपा है और वह मसाला है मेथीदाना।

मेथी दाना एक देसी स्किनकेयर हीरो है जिसमें स्किन को हल्का करने और हील करने की गजब की ताकत होती है। इसकी मदद से ना सिर्फ पिग्मेंटेशन धीरे–धीरे कम होती है, बल्कि यह स्किन टोन को इवन लुक देने के साथ–साथ ग्लो भी लेकर आता है। अगर आप इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करना चाहती हैं तो ऐसे में मेथीदाने की मदद से सीरम बनाया जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मेथीदाने से बनने वाले सीरम के बारे में बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप भी पिग्मेंटेशन से छुटकारा पा सकती हैं–

मेथी का सीरम बनाने के लिए क्या–क्या चाहिए

– 1 बड़ा चम्मच मेथी दाना
– 1ध्2 कप पानी
– 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल
– 2–3 बूंद विटामिन ई ऑयल या 1 कैप्सूल
– 1–2 बूंद टी ट्री ऑयल या रोजहिप ऑयल

मेथी का सीरम कैसे बनाए

– रात को 1 चम्मच मेथी को 1ध्2 कप पानी में भिगोकर रख दें। 6–8 घंटे बाद ये अच्छे से फूल जाएगी।

– सुबह उसी पानी के साथ मेथी को 5–7 मिनट धीमी आंच पर उबाल लें। पानी थोड़ा हल्का भूरा और जेल जैसा हो जाएगा। फिर ठंडा होने दें।

– अब इसे सूती कपड़े या छन्नी से छान लें। जो पानी निकलेगा, वही मेथी का एक्सट्रेक्ट है।

– अब इसे किसी साफ बोतल या कटोरी में डालें।

– अब इसमें एलोवेरा जेल, विटामिन ई ऑयल व 1–2 बूंद टी ट्री या रोजहिप ऑयल डालकर मिक्स कर लें।

होममेड सीरम कैसे लगाएं

रात को फेस वॉश के बाद कुछ बूंदें उंगलियों पर लें और चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं।

जहां दाग या पिगमेंटेशन है, वहां ज्यादा फोकस करें।

इसे पूरी रात लगे रहने दें और सुबह गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

आप इसे हर रात लगा सकती हैं।

– मिताली जैन

अगर आप साड़ी के साथ कुछ अलग डिजाइन की हील्स वियर करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। अलग डिजाइन वाली हील्स को वियर करने से आपके पैरों को नया टच मिलेगा। साथ ही आप इन हील्स को साड़ी के नीचे पहनकर आसानी से घूम भी पाएंगी।

हील्स पहनना अधिकतर लोगों को पसंद होता है। लेकिन जब साड़ी के साथ हील्स को स्टाइल करने की बात आती है, तो हम अक्सर ऐसे डिजाइन पसंद करते हैं, जिनको पहनकर हम आसानी से चल सकें। अगर आप साड़ी के साथ कुछ अलग डिजाइन की हील्स वियर करना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

अलग डिजाइन वाली हील्स को वियर करने से आपके पैरों को नया टच मिलेगा। साथ ही आप इन हील्स को साड़ी के नीचे पहनकर आसानी से घूम भी पाएंगी।

ब्लॉक हील्स

अगर आप हील्स के इंच को बढ़ाना चाहती हैं, तो आपको साड़ी के साथ ब्लॉक हील्स पहनना चाहिए। इसमें आप 2 से 5 इंच की हील्स आसानी से पहनकर चल पाएंगी। वहीं इस तरह की हील्स को स्टाइल करने में आपको किसी भी तरह की परेशानी भी नहीं होगी।

आप साड़ी के कलर या डिजाइन के हिसाब से खरीद सकती हैं। इसमें आपके पैर काफी सुंदर नजर आएंगे। वहीं आप मार्केट में इस तरह की हील्स 1000–2000 रुपए तक में ले सकती हैं।

पेंसिल हील्स

साड़ी के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप पेंसिल हील्स वियर कर सकती हैं। यह हील्स पहनने के बाद काफी अच्छी लगती हैं। वहीं इस हील्स को पहनने के बाद आपका लुक पटोला नजर आएगा।

मार्केट में आपको इस तरह की हील्स आसानी से मिल जाएगी। जिसको आप साड़ी की डिजाइन के हिसाब से पसंद करके पहन सकती हैं।

वेजेज हील्स

अगर आप भी साड़ी लुक में कंफर्टेबल रहना चाहती हैं, तो ऐसे में आप वेजेज हील्स वियर कर सकती हैं। इस तरह की हील्स साड़ी के साथ पहनने के बाद काफी अच्छी लगती हैं। इसमें आपको पीछे की तरफ सपोर्ट के लिए बेल्ट मिलती है। जिसके कारण आपका पैर ज्यादा खिसकता नहीं है और आप इसको देर तक वियर कर सकती हैं।

हम आपको एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो झाइयों की समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है। इस जेल को आप आसानी से घर पर बना सकती हैं। यह जेल फेस की झाइयों की खत्म करने के साथ ही स्किन को भी पोषण देगा और त्वचा को चमकदार बनाने का काम करेगा।

चेहरे की खूबसूरती उम्र बढ़ने के साथ ही ढलने लगती है। खासकर तब जब चेहरे पर दाग–धब्बे और झाइयां दिखने लगती हैं। अगर झाइयों की बात की जाए, तो यह समस्या और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह इतनी आसानी से दूर नहीं होती हैं। फेस पर एक छोटा सा निशान आपके पूरे लुक को बर्बाद कर सकता है। वहीं झाइयां होने पर आत्मविश्वास पर भी असर पड़ने लगता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जो झाइयों की समस्या को जड़ से खत्म कर सकता है। इस जेल को आप आसानी से घर पर बना सकती हैं, वह भी कम खर्च में। यह जेल फेस की झाइयों की खत्म करने के साथ ही स्किन को भी पोषण देगा और त्वचा को चमकदार बनाने का काम करेगा।

साफ होंगी झाइयां

नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में अगर आप भी झाइयों से परेशान हैं, तो आपको एक बार नींबू के जेल का इस्तेमाल करके देखना चाहिए। इसको आप आसानी से घर पर ही बना सकती हैं।

एंटी पिग्मेंटेशन फेस जेल

विटामिन सी स्किन के दाग–धब्बों को कम करता है। आज हम आपको जिस जेल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें विटामिन सी की मात्रा भरपूर है।

क्रांतिकारी किसान यूनियन कल २६ नवंबर से लखनऊ में होगा किसानों का तीन दिवसीय महापड़ाव, हजारों किसान होंगे शामिल

हाथरस। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर कल 26 नवंबर से देश की सभी राजधानियों में किसान महापड़ाव होगा। लखनऊ में भी इको गार्डन में राज्य भर से हजारों किसान–मजदूर जुटेंगे। लखनऊ में किसान महापड़ाव में भागीदारी के लिए क्रांतिकारी किसान यूनियन की राज्य कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक मे बताया गया कि महापड़ाव से एमएसपी की कानूनी गारंटी, संपूर्ण कर्जा माफी, किसान पेंशन जैसी बाकी सभी मांगों के एकबार फिर आंदोलन के लिए राजधानियों की ओर किसान कूच करेगा। साथ ही योगी सरकार के किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने की वादे को किसान जोरदार आवाज से याद दिलाएंगे। बैठक में राज्य प्रभारी शशिकांत के अलावा हाथरस प्रभारी श्याम बिहारी सिंह, एटा जिलाध्यक्ष से अनिल यादव सुशील यादव आजमगढ़ मंडल प्रभारी रामनयन गादव, प्रेमनारायण यादव, बलिया संयोजक बलवंत यादव, अलीगढ़ जिलाध्यक्ष नगेन्द्र चौधरी, लखनऊ मंडल प्रभारी विनोद सिंह, जिलाध्यक्ष एकादशी यादव, जिला प्रभारी दिनेश रावत, सीतापुर जिला संयोजक विमलेन्द्र सिंह, फिरोजाबाद प्रभारी कमलेश कमल, कासगंज प्रभारी अजय लोधी, गाजीपुर प्रभारी शिवपूजन यादय, इलाहाबाद प्रभारी जीतू सिंह आदि शामिल हुए।

निस्वार्थ सेवा संस्थान ने मूक पशु सेवा शुरू होने का ६०० दिनों का बेनिसाल किया सफर

हाथरस। कभी कभी बेवहज ही इन बेजुबानों को भी खिला करो साहब, क्योंकि उन्हें ये नहीं पता की खाने के भी पैसे लगते हैं। इसी करुणानई भावना के साथ निस्वार्थ सेवा संस्थान ने मूक पशु सेवा शुरू होने का 600 दिनों का बेनिसाल सफर पूरा कर लिया है। संस्था के सदस्यों द्वारा यह सेवा निस्तर रूप से प्रतिदिन सुबह की जाती है। जिसमें सड़कों पर घूमते हुए आवारा पशु चाहे वह गाय बिजार हो, कुत्ते हों बंदर या पंछी हो सभी को कुछ ना कुछ व्वाद्य सामग्री डालकर उनका पेट भरने का प्रयास किया जाता है। संस्था के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने हाथरस शहर की जनता से आग्रह किया कि अब आने वाले सर्दियों के इस मौसम में प्रयास करें कि आप लोग भी अपने घरों से कुछ ना कुछ सड़कों पर घूमते आवारा जानवरों को खिलाएं। साथ ही गली में घूमते गाय, विजार और स्वानों को फटी बोरी अथवा कोई गरम कपड़ा उढ़ा दें। प्रतिवर्ष सर्दी के कारण न जाने कितने मूक पशु की जान चली जाती है। इस मौके पर मूक पशु सेवा अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, सीए प्रतीक अग्रवाल, डॉ रंगेश शर्मा, नीरज गोयल, अवधेश कुमार लोकेश सिंघल, दीपांशु चार्श्णेय सौरभ शर्मा, फिजय गौद्व, नितिन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल आदि मौजूद थे।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिभा कमल माहौर ने गर्भवती महिला की कराई गोद भराई व बच्चे को कराया अन्नप्राशन

सासनी । गांच सक्रिया में आगनबाड़ी केन्द्र हॉट कूक्ड फूल योजना का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम हॉट कूक्ड फूड योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने ब्लाक प्रमुख प्रतिभा कमल माहौर एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश माहौर को बुके देकर स्वागत किया। ब्लॉक प्रमुख प्रतिभा कमल माहौर ने एक गर्भवती महिला की गोद भराई एवं एक बच्चे का अन्नप्राशन कराया। ब्लॉक प्रमुख एवं ब्लाक प्रमुच्य प्रतिनिधि दिनेश माहौर ने आंगनबाड़ी केंद्र पर आए हुए तीन से छह वर्ष के बच्चों को तहरी एवं केला स्वयं परोस कर योजना का प्रारंभ किया गया। इस मौके पर सुशील प्रभाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बच्चे आदि नौजूद थे

दक्ष प्रजापति समाज के सामूहिक विवाह समारोह में राजकुमारी गोला का हुआ स्वागत

हाथरस। दक्ष प्रजापति समाज हुई माटी कला बोर्ड राज्य मंत्री अध्यक्ष प्रतिनिधि राजकुमारी गोला, प्रजापति समाज महासभा अध्यक्ष्ज्ञ डॉ देवकी नंदन गोला का समाज के लोगों ने शॉल व पगडी पहनाकर भव्य स्वागत किया था। इस मौके पर महामंत्री अशोक गोला, मास्टर हीरा लाल वर्मा, मानसिंह दरोगा बनवारी लाल दरोगा, प्रदीप कुमार प्रजापति, प्रेगपाल सिंह प्रजापति हरी ओम प्रजापति, सीएल प्रजापति ओमप्रकाश प्रजापति विनोद कुमार प्रजापति गुरदास प्रजापति आदि मौजूद थे।

प्रधान नीरज कुमार ने पुल, बारातघर निर्माण के लिए डिप्टी सीएम को भेजा पत्र

सादाबाद/हाथरस । क्षेत्र के गांव धानौटी के प्रधान नीरज कुमार ने उप मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पुल निर्माण कराई जाने की मांग की है। प्रधान का कहना है कि जुगसना रजवाह से निकलते हुए बाया करता. रा होकर एक नाला निकला हुआ है। यहां के लोगों ने चंदा इकट्ठा करके गांव के नजदीक इस पर पुलिया का निर्माण कराया था। यह पुल काफी जर्जर हो गया है। इससे कभी भी हादसा हो सकता है। बरसात के समय पानी पुलिया के ऊपर से बहता है। इसलिए ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए नाले पर पुल का निर्माण कराया जाए। प्रधान ने उप मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गांव में बारात घर बनवाए जाने की भी मांग की है।

हाथरस जंक्शन पुलिस ने दो जुआरी दबोच ८ हजार से अधिक की नगदी की बरामद

हाथरस। हाथरस जंक्शन कोतवाली पुलिस ने जुआ खेल रहे दो अनियुक्तों को गिरफ्तार कर इनके करूते से साढे आठ हजार से अधिक की नगदी व ताश पत्ता बरामद किये है। हाथरस जंक्शन प्रभारी निरीक्षक नरेश सिंह व एसआई सुनील कुमार वर्मा ने मुखबिर की सूचना पर जुआ खेल रहे चन्द्रपाल पुत्र रामकुशवाह निवासी मौ० सुभाप नगर मैण्डू थाना हाथरस जंक्शन व लख्मीचन्द पुत्र स्व० रतनलाल निवासी ब्राह्मणपुरी मैण्डू, थाना हाथरस जंक्शन को रंगे हाथा गिरफ्तार कर

माहौर धर्मशाला हाथरस में वोटर चेतना महाअभियान की योजना बैठक का आयोजन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। शक्ति केन्द्र नगला बेलनशाह स्थान माहौर धर्मशाला हाथरस में वोटर चेतना महाअभियान की योजना बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रवासी निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौरव आर्य मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे,, बैठक की अध्यक्षता बूथ अध्यक्ष बासदेव माहौर ने की बैठक में विष्णु बघेल , विशाल गुप्ता , भगवान , रमन माहौर , सुरेश चंद्र, गोपाल कुमार, कन्हैया लाल, दीपक माहौर, यावर अहमद ,इरफान खान, आदि बूथ अध्यक्ष एवं कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेसस केन्द्र संयोजक मुबीन खान ने उपस्थित सभी आगंतुकों को पटका पहनाकर सम्मानित किया ।

विवाहिता का फांसी के फंदे पर लटका मिला शव, भाई ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

हाथरस। हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव नगला सिंहल निवासी 35 वर्षीय विवाहिता की तिम्भ परिस्थितियों में मौत हो गयी। गांव नगला सिंहल निवासी 35 वर्षीय शिखा पत्नी सोनू की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी वह मूल रूप से फिरोजाबाद जनपद के गांव खुशालपुर की रहने वाली थी। उसकी बडी बहन की शादी भी सोनू के बड़े भाई के साथ हुई थी। गुरुवार को अर्द्धरात्रि में शिखा के शव को फांसी पर लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। घटना की जानकारी चंडौस के दरोगा राजकुमार द्वारा पुलिस को दी गयी थी। जिसके बाद कोतवाली हाथरस जंक्शन प्रभारी निरीक्षक नरेश सिंह मौके पर पहुंच गये थे। उन्होंने बताया कि जब पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों ने मृतका के शव को फांसी के फंदे से उत्तार लिया था। मृतका के तीन बच्चे है इनमें दो पुत्री ओर एक पुत्र है। मूलका का भाई दहेज हत्या का आरोप लगा रहा था। पुलिस ने मृत्तका शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

तीन लोगों पर सामूहिक दुश्कर्म करने का आरोप, न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

हाथरस। एक महिला द्वारा कार में जेठ सहित तीन लोगों पर सामूहिक दुश्कर्म करने का आरोप लगाया है। न्यायालय के आदेश पर चंदपा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है।

मधुरा की रहने वाली महिला का कहना है कि उसकी शादी कोतवाली सदर क्षेत्र के गौहल्ला नाई के नगला में हुई थी। पति से विवाद था समझौता करने के लिए उसे हाथरस बुलाया गया था। 11 जुलाई को यह बाईपास स्थित हतीसा पुल पर जब बस से उतरी तो जेठ शेखू सहित तीन लोगों ने उसे कार में बिठा लिया और नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाने के बाद बेहोशी की अवस्था में तीनों ने उसके साथ सामूहिक दुश्कर्म किया है। बंदपा कोलपाली प्रभारी सुनीता मिश्रा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकद्दमा कायम कर लिया है और इस मामले की जांच की जा रही है।

पति पत्नी के बीच हुआ झगडा, मारपीट

मुरसान। कस्या मुरसान की सब्जी मंडी में गुरुवार को रात्रि के समय शराबी पति की पत्नी द्वारा जमकर धुनाई कर दिये जाने से क्षेत्र के लोगों की भारी भीड लग गयी। पत्नी को लोगों द्वारा समझाने के बाद भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ था। पत्नी का कहना था कि उसका पति शराब का आदी है। रा. जाना शाम जलते ही वह घर से पैसे लेकर शराब पीने के लिए चला जाता है। बृहस्पतिवार की शाम को यह उसे कई बार फोन कर चुकी थी लेकिन पति ने फोन नहीं उठाया था। जिसके चलते वह उसे देखने के लिए शराब के ठेके की ओर जा रही थी तभी उसका पति मुरसान की सब्जी मंडी में नशे की हालत ने उसे मिल गया था। नशे की हालत में पति को देख महिला का पारा चढ़ गया और उसने उसे रास्ते में ही पति को पीटना शुरू कर दिया था यह देख लोगों की मौके पर भीड़ लग गयी थी।